

अतिवेल वि. (तत्.) 1. अत्यंत, असीम, बेहद 2. मर्यादा का उल्लंघन करनेवाला 3. उद्वेलित 4. तट से बाहर प्रवाह करने वाला, अधिप्रवाही 5. बेमौसमी।

अतिवेला स्त्री. (तत्.) विलंब, देरी।

अतिव्याप्ति स्त्री. (तत्.) 1. न्याय किसी लक्षण या कथन के अंतर्गत लक्ष्य के अतिरिक्त अन्य विषय के आ जाने का दोष 2. अधिक विस्तार।

अतिशय वि. (तत्.) 1. बहुत ज्यादा, मात्रा या परिमाण में अधिक 2. प्राचीन शास्त्रानुसार अतिरंजना का सूचक अलंकार पुं. अधिकता, श्रेष्ठता, अतिरंजना।

अतिशय कोटि स्त्री. (तत्.) भाषा विशेषण-शब्दों का वह रूप जो उत्तम कोटि को सूचित करे जैसे- सुंदर, सुंदरतर की तुलना में, सुंदरतम, सबसे सुंदर।

अतिशयता स्त्री. (तत्.) अधिकता, बहुतायत, मात्रा, परिमाण या माप में अत्यधिक होने की अवस्था या भाव।

अतिशयन पुं. (तत्.) 1. अधिकता, प्रचुरता 2. अधिक शयन करना।

अतिशयनी स्त्री. (तत्.) चित्रलेखा नामक चार चरणों वाला एक छंद।

अतिशयानु वि. (तत्.) बढ़ जाने की या बढ़ चढ़ कर रखने की प्रवृत्ति रखने वाला, अतिशयता की प्रवृत्ति वाला।

अतिशयी वि. (तत्.) 1. प्रधान, श्रेष्ठ 2. बहुत अधिक।

अतिशयोक्ति स्त्री. (तत्.) 1. बढ़ा-चढ़ाकर कही हुई बात 2. एक अर्थालंकार जिस में किसी पात्र, वस्तु या भाव का अतिरंजित रूप से वर्णन किया जाता है।

अतिशयोपमा स्त्री. (तत्.) उपमा अलंकार का एक भेद जिसमें उपमेय को उपमान या अन्यो की तुलना में श्रेष्ठ बतलाया जाता है।

अतिशर्करारक्तता स्त्री. (तत्.) आयु. रक्त में शर्करा की मात्रा के सामान्य से अधिक होने की स्थिति, जो मधुमेह का लक्षण है। hyperglycomia

अतिशस्त्र वि. (तत्.) शस्त्र से भी तेज।

अतिशायन पुं. (तत्.) 1. प्रधानता, श्रेष्ठता, अधिकता 2. आगे बढ़ जाना।

अतिशायिनी स्त्री. (तत्.) आगे बढ़ जाने वाली, श्रेष्ठ, अत्यधिक

अतिशायी वि. (तत्.) 1. प्रधान, श्रेष्ठ, अत्यधिक 2. आगे बढ़ जानेवाला।

अतिशीत पुं. (तत्.) अत्यंत ठंड, बहुत ठंडा।

अतिशीतन पुं. (तत्.) उचित रीति से बहुत अधिक ठंडा होने का भाव या क्रिया।

अतिशीतलन वि. (तत्.) 1. बहुत अधिक ठंडा या शीतल कर देना 2. भौ. किसी द्रव को ठोस में बदले बिना उसके हिमांक या क्रिस्टलन-ताप तक ठंडा करना। super cooling

अतिशीलन पुं. (तत्.) (अधिक) अभ्यास, बारंबार मनन या विचार।

अतिशेष पुं. (तत्.) बचा हुआ अंश, शेषांश।

अतिशोधन पुं. (तत्.) भाषा. अनावश्यक रूप से सही भाषा के स्थान पर गलत लिखना और बोलना, जैसे- जिल्द को ज़िल्द, मजबूर को मज़बूर या छात्र को क्षात्र लिखना/बोलना।

अतिश्रम पुं. (तत्.) बहुत अधिक परिश्रम या मेहनत, अत्यधिक थकावट या क्लान्त, मेहनत से पसीना बहुत आना।

अतिश्रुत वि. (तत्.) 1. अति प्रसिद्ध, विख्यात 2. अधिक सुना हुआ।

अतिश्रेष्ठ वि. (तत्.) सबसे अच्छा, सर्वोत्तम।

अतिसंधान पुं. (तत्.) धोखा, विश्वासघात, छल-कपट, अतिक्रमण, उचित लक्ष्य से आगे निशाना लगाना।